तापमान
अधिकतम 44 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 18 मई 2025

12 खेलो इंडिया में कांस्य पदक जीतने वाली हरनूर सम्मानित

12 नन्हे छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मचाई धूम

MAHARANA PRATAP PUBLIC SCHOOL
KURUKSHETRA
MPPS CONTINUES ITS GLORIOUS TRADITION OF ACADEMIC EXCELLENCE

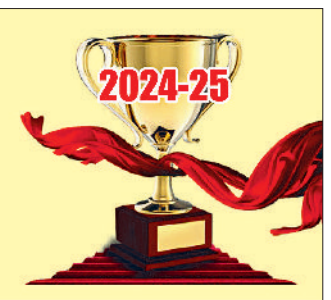

ACCOLADES TO OUR DISTRICT TOPPERS!!

1st in the District
MANITA SINGH
99.4% CLASS X

2nd in the District
ADITYA SHARMA
99.2% CLASS X

1st in the District
BHAWNA
98.6% XII (COMM.)

KUDOS TO OUR SCHOOL TOPPERS!!

MANITA SINGH
99.4%
CLASS X

BHAWNA
98.6%
XII (COMM.)

ANGEL
95.6%
XII (NON-MED.)

KESHAV VASHIST
95.6%
XII (NON-MED.)

SANCHI
95%
XII (MEDICAL)

KARISHMA
91%
XII (HUMANITIES)

CONGRATULATIONS CHAMPS! KEEP THE MOMENTUM GOING!

MANITA SINGH 99.4%

ADITYA SHARMA 99.2%

ADITI 98.4%

VARDAN TANWAR 98.2%

JASKIRAN 98%

RIDDHI 98%

GURNEET KAUR 97.8%

HARJOT KAUR 97.8%

ANVI GARG 97.6%

JITEN SADYAN 97.6%

PRIYANJAL 97.6%

TANVI 97.4%

YUVIKA SINGH 97.2%

KRISHTAN PARI 96.8%

SAMAYRA 96.8%

VARUN 96.8%

KHUSHBU 96.6%

TEJAS SHARMA 96.6%

BHUMIKA 96.4%

YASHU SINGH 96.4%

UJJWAL 96.2%

ISHITA 96%

PUNEET KUMAR 96%

HARDIKA 95.8%

KIRTI SINGLA 95.8%

SONAL 95.8%

ADIVI ANEESH 95.6%

AKSHITA 95.6%

MANIK SAINI 95.6%

SAARTHAK 95.6%

SANCHIT 95.6%

KASHIKA 95.4%

SHEETAL 95.4%

ANANYA MODI 95%

BHUMIKA 95%

DAKSH MEHLA 95%

PALAK 95%

YASHPREET 95%

YUVRAJ SINGH 95%

KANAK 94.8%

ADITI BHARGAV 94.6%

SHUBHANGI 94.6%

VANSHIKA 94.6%

ARYAN 94.2%

CHESTA 94.2%

HARSHVI 94.2%

SANSKRITI 94.2%

TANISH SAINI 94.2%

YASH MOR 94.2%

ABHAY DEVGAN 94%

TANVI 94%

ANGEL 93.8%

ANGEL DHANDA 93.8%

ANSHIKA 93.8%

ARMAAN 93.8%

SHIVANSH 93.6%

MANNAT SINGH 93.4%

NISHCHAY SAINI 93.4%

PARV KUMAR 93.2%

TEJASVANI 93.2%

AAYAN 93%

ANSHIKA 93%

PRANSHU 93%

KHUSH 92.8%

HARKIRAN KAUR 92.6%

PAVNI 92.6%

YASHIKA 92.6%

PREET 92.4%

TANISH 92.4%

ADITI 92.2%

ANUSHKA VERMA 92%

AARUSHI 91.8%

MANAN KHERA 91.8%

OJAS BOORA 91.8%

RUDRANSH 91.8%

SHIVAM KUMAR 91.8%

SONAM 91.8%

VANSHIKA 91.8%

DEVANSH 91.6%

LAVYA PANCHAL 91.6%

SAMRIDHI SINGH 91.6%

SHIVANSH 91.6%

MRIDUL 91.4%

ARMAAN SAINI 91%

ISHAN ANAND 91%

NAVNEET 91%

SALONI 90.8%

AYUSH SIROHI 90.6%

DIVYA 90.6%

KANIKA 90.6%

TARUN PUNIA 90.6%

GRISHAM 90.4%

RUHANI 90.4%

YUVRAJ 90.4%

AASTHA 90.2%

AAYUSHI SINGH 90.2%

TANISHQ DUA 90.2%

DHANVI 89.6%

GARIMA 89.6%

MAAHI SAINI 89.6%

RESULTS AT A GLANCE-X
STUDENTS APPEARED-305

% Range	No. of Students
94.6-100	43
89.6-94.4	100
75 & Above	229

SUBJECTS	MARKS	STUDENTS
ENGLISH	99	MANITA SINGH
HINDI	99	VARDAN TANWAR
MATHEMATICS	100	ADITYA KARAMBIR SHARMA, ANVI GARG, JITEN SADYAN, MANITA SINGH, VARDAN TANWAR
SCIENCE	100	ADITYA KARAMBIR SHARMA, GURNEET KAUR, RIDDHI
SOCIAL SCIENCE	100	RIDDHI
SANSKRIT	100	JITEN SADYAN
PUNJABI	100	SAMAYRA
ARTIFICIAL INTELLIGENCE	100	ABHAY DEVGAN,ADITI,ADITYA KARAMBIR SHARMA,ADIVI ANEESH,ANGEL,BHUMIKA,BHUMIKA,HARDIKA,HARJOT KAUR,HARSHVI ARORA,ISHITA,KHUSH CHAUHAN,MANIK SAINI,MANITA SINGH,MUDIT,NISHCHAY SAINI,PRATYAKSH,PUNEET KUMAR,SAARTHAK SAINI,SONAL,SONAM,TANISH SAINI,VANSHIKA,VANSHIKA PANWAR,VARDAN TANWAR,VARUN,YASHIKA,YASHPREET,YUVIKA SINGH
Food Production	100	KRISHTAN PARI,SHREYA KASHYAP, TANISH, TANISHKA

LEGACY REDEFINED, EXCELLENCE REWRITTEN !!

RESULTS AT A GLANCE-XII
STUDENTS APPEARED-213

% Range	No. of Students
94.6-100	10
89.6-94.4	36
75 & Above	141

SUBJECTS	MARKS	STUDENTS
ACCOUNTANCY	100	GURSEV KAUR
SANSKRIT	100	BHAWNA
AI	100	ANJALI, RADHIKA
CA	100	AKSHITA SHARMA, ANSHIKA KAUSHIK, ISHIKA, MANPREET KAUR, TAMANNA, VENUS
ENGLISH	99	ANJALI, DIVYA, MUSKAAN, PALAK
BUSINESS STUDIES	99	BHAWNA
ECONOMICS	99	GUNSEHAJ SINGH
MATHEMATICS	99	RISHABH SAINI
PHYSICAL EDUCATION	99	KHWAISH
CHEMISTRY	98	PALAK, TANISH MEHLA
BIOLOGY	97	SANCHI
PHYSICS	96	KESHAV VASHISHT

JEE MAINS EXTRAVAGANZA-APRIL 2025

DHRUV CHHABRA
99.64 PERCENTILE

SAURABH ROHILLA
99.41 PERCENTILE

KESHAV VASHISHT
99.36 PERCENTILE

PALAK
99.21 PERCENTILE

DEEPAK
99.13 PERCENTILE

AARYAVEER
98.82 PERCENTILE

YATENDER
98.73 PERCENTILE

KUSHAL SHARMA
98.61 PERCENTILE

ADITYA SHARMA
97.11 PERCENTILE

RISHABH SAINI
96.92 PERCENTILE

MUSKAAN
96.55 PERCENTILE

SHANTANU CHAUDHARY
95.39 PERCENTILE

KRISHAN RANA
95.24 PERCENTILE

DIVAYANSH
86.96* PERCENTILE

*CATEGORY PERCENTILE.

BHAWNA 98.6%

KRISH SHARMA 96%

GURSEV KAUR 95.8%

ANGEL 95.6%

KESHAV 95.6%

ISHANT SHARMA 95.4%

PALAK 95.4%

SANCHI 95%

PURVA 94.8%

DEEPAK KUMAR 94.6

AKSHITA SHARMA 94.4%

DHRUV CHHABRA 94.2%

KUSHAL SHARMA 94.2%

GUNSEHAJ SINGH 93.8%

KRISHAN RANA 93.8%

AASTHA GUPTA 93.6%

AYUSH SAINI 93.6%

KHUSHI VERMA 93%

AMAN KUMAR 92.8%

ANJALI 92.6%

SAURABH ROHILLA 92.6%

GURSEWAK 92.2%

MUSKAAN 92.2%

RISHABH SAINI 91.8%

RHYTHEM 91.8%

VISHAL TAANK 91.8%

TRISHIKA 91.2%

DRISHTI 91%

KARISHMA 91%

KHWAISH 90.6%

SHAURYA 90.6%

DHARVI 90.4%

ADITYA 90%

RIYA RANI 90%

TULIP 90%

DIVYA 89.8%

Congratulations to the successful students and their proud parents!

Principal

विकास के साथ बुनियादी सुविधाएं मजबूत करने पर फोकस : मेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी की मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि निगम क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को किया जा रहा है और हर वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने उक्त शब्द निगम के वार्ड नंबर 17 व वार्ड नंबर 18 में 60.57 लाख रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए कहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री प्रयोग करने के निर्देश दिए।

मेयर सुमन बहमनी ने पहले जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 में 43.45 लाख रुपये की लागत से डाली जाने वाली स्टॉर्म वाटर लाइन का शिलान्यास किया। इस सेक्टर में स्टॉर्म वाटर लाइन डलने से पानी की निकासी की समस्या से निजात मिलेगी। इसके बाद उन्होंने जगाधरी के सेक्टर 18 में 17.12 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक केंद्र के नवीनीकरण व रखरखाव के कार्य का शिलान्यास किया। इस कार्य से सामुदायिक केंद्र की सुंदरता बढ़ेगी और बैठने की बेहतर व्यवस्था होगी।

मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि जगाधरी के सेक्टर 17 में वर्षों से जलभराव की समस्या चल रही थी। जिसका समाधान अब संभव होने जा रहा है। इस क्षेत्र में स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज लाइन बिछाने का कार्य शुरू किया गया है। यह परियोजना न केवल जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करेगी। बल्कि सड़कें भी लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ बनी रहेंगी। इसके अलावा सेक्टर-18 जगाधरी स्थित पुराने सामुदायिक केंद्र की हालत को देखते हुए इसके नवीनीकरण व रखरखाव का कार्य किया जाएगा। इसके निर्माण से क्षेत्रवासियों को सामूहिक आयोजनों, बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक बेहतर एवं सुसज्जित स्थल उपलब्ध होगा।

यमुनानगर। जगाधरी के सेक्टर-17 में स्टॉर्म वाटर लाइन का शिलान्यास करती मेयर।

जनकल्याण प्राथमिकता: मेयर ने कहा कि विकास कार्यों की प्राथमिकता के साथ हर वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। नगर निगम का उद्देश्य है कि हर नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित व साफ वातावरण मिले। पार्षदों के सहयोग से जनहित में निरंतर कार्य कर रहे हैं। पार्षद प्रियांक शर्मा, निश्चल चौधरी,दीपक शर्मा, पीयूष गोगियान, कुनाल शर्मा, पूनम अग्रवाल व रंजू वालिया मौजूद रहे।

बारिश में नहीं रहने दी जाएगी जलभराव की समस्या: मलिक

रादौर। नगर पालिका द्वारा मानसून के मौसम को देखते हुए कस्बा में पानी निकासी के लिए बनाए गए नालों व नालियों में सफाई अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान नपा के सफाई कर्मचारियों ने जेसीबी मशीन व स्वयं नालों में सफाई करके गंदगी को बाहर निकाला। अभियान का शुभारंभ नपा सचिव सुरेंद्र मलिक ने किया। उन्होंने बताया कि मानसून की बरसात से पहले नगर पालिका की ओर से कस्बा के सभी नाले व नालियों की विशेष रूप से सफाई करवाई जा रही है। जिसका अलग से ठेका दिया गया है। इस काम के लिए 11 सफाई कर्मचारियों व जेसीबी मशीन को लगाया गया है। सफाई कर्मचारी जेसीबी मशीन की मदद से बरसात से पहले, बरसात के दौरान व बरसात के बाद तक नाले व नालियों की सफाई का कार्य जारी रखेंगे। बारिश के मौसम में कस्बावासियों को जलभराव की समस्या नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में नाले व नालियों के जाम होने के कारण लोगों को होने वाली दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। नाले व नालियों की सफाई का अभियान लगातार जारी रहेगा। नपा के अधिकारी व कर्मचारी नाले व नालियों की सफाई को लेकर चलाए गए अभियान की लगातार समीक्षा करेंगे। जिससे नाले व नालियों की सफाई का कार्य बेहतर तरीके से करवाया जा सके।

खबर संक्षेप

दिन दहाड़े सूने घर से चुराए गहने व सामान

यमुनानगर। सरस्वती नगर में चोरों ने दिन दहाड़े सूने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर निवासी हकीम राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को सुबह 10 बजे घर का ताला लगाकर परिवार के साथ किसी काम से बाहर गया था। दोपहर को जब वह एक बजे वापस लौटा तो घर का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से दो चांदी की चेन, सोने की अंगूठी, चांदी के सिक्के, टॉपस, गैस सिलेंडर, पानी की टुंटिया तथा अन्य सामान गायब मिला। यह देखकर उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई। उसने बताया कि घर से चोरी हुए सामान की कीमत करीब एक लाख तीन हजार रुपए है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पंचायती भूमि से खैर के 19 पेड़ चोरी, केस दर्ज

यमुनानगर। गांव काठगढ़ में खैर तस्करों ने पंचायती भूमि पर खड़े 19 खैर के पेड़ काटकर चोरी कर लिए। पुलिस ने बीडीपीओ की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बिलासपुर खंड के बीडीपीओ कार्तिक चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव काठगढ़ में पंचायती भूमि पर खैर के पेड़ लगे हुए हैं। चार मई को उसे सूचना मिली थी कि चोरों ने पंचायती भूमि पर खड़े खैर के पेड़ काटकर चोरी कर लिए हैं। सूचना मिलते ही टीम के साथ वह मौके पर पहुंचा। इस दौरान उन्हें पंचायती भूमि पर खड़े खैर के 19 पेड़ कटे मिले। जिनकी कीमत करीब 30 हजार रुपए है। उसने खैर चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के 10वीं के परीक्षा परिणाम पर स्कूलों में जश्न

10वीं की परीक्षा में 94.6 प्रतिशत अंक लेकर एंजल बनी स्कूल टॉपर, परिणाम शत-प्रतिशत

स्टार वे स्कूल में मानवी कांबोज ने 97 प्रतिशत, नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गरिमा ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्राप्त किया प्रथम स्थान। आदर्श विद्या मंदिर की छात्रा वंशिका 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बनी स्कूल टॉपर, सभी स्कूलों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल मैनेजमेंट ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

न्यू हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का 10वीं कक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल की छात्र एंजल ने सर्वाधिक 94.6 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। स्कूल प्रबंधक समिति के चेयरमैन जीएस शर्मा ने सभी मेधावी बच्चों को मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्कूल चेयरमैन जीएस शर्मा ने बताया कि शनिवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी 10वीं कक्षा के परिणाम में स्कूल का परिणाम शत.प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि मनीषा ने 93 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा तथा अक्षरा व रितिक 91.6 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह लविश ने 90.8, हर्ष ने 89.8, रितिका ने 88, आरूषि ने 87.2, विश्व ठाकुर ने 87, आशिमा ने 86.6, दृष्टि ने 85.6, सागर ने 85.4, जिशांत ने 85, शिवम व तरणप्रीत ने 84.8, शिवम ने 82.4, जिया ने 80.6, यश ने 80.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

स्कूल की प्रिंसीपल सुश्री कमलेश सिक्का ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने बताया कि विषयवार अंकों में गणित में 99, फिजिकल में 99, विज्ञान में 98, सामाजिक में 96, हिंदी में 94 अंक अर्जित किए। उन्होंने कहा कि यह बच्चों की मेहनत व अध्यापकों की लग्न का परिणाम है जो बच्चों ने यह मुकाम हासिल किया है।

यमुनानगर। न्यू हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहने पर बच्चों को मिठाई खिलाते हुए स्कूल के चेयरमैन।

यमुनानगर। यमुनानगर। स्टार वे सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए प्रधानाचार्या दीपमाला व चेयरपर्सन स्नेहलता कांबोज।

स्टार वे स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

यमुनानगर। स्टार वे सीनियर सेकेंडरी स्कूल खुर्दी का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। छात्रा मानवी कांबोज ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में टॉप किया है। प्राचार्या दीपमाला व चेयरपर्सन स्नेहलता कांबोज ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। प्राचार्या ने बताया कि 1वीं के परीक्षा परिणाम में छात्रा मानवी कांबोज ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया है। खुशी ने 96.2 व विधि ने 95.8 और चाहत ने 94.6 प्रतिशत् रतिशत अंकों के साथ क्रमश दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर रही। शिवांकी ने 93.2, शगुन ने 92, नंदिनी ने 92.6, हरमनजीत सिंह ने 91.4, दीपिकशा ने 91, विवेक 91, हर्ष 90.8, विशेष ने 90.5 और शांतनु ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल अपने माता पिता का नाम रोशन किया। स्कूल के 13 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। 36 बच्चों ने 80 प्रतिशत व 11 बच्चों ने 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। छह बच्चों ने 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत अंक प्राप्तकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्राचार्या दीप माला कांबोज ने अच्छे अंक प्राप्त करने वालों व अन्य सभी बच्चों को मिठाई खिलाकर बधाई दी उन्होंने बच्चों के अभिभावकों को आहवान किया कि वह उनपर पूरा ध्यान रखें। क्योंकि आपके बच्चे ही आपकी संपत्ति हैं । स्कूल की चेयरपर्सन स्नेहलता कांबोज ने सभी बच्चों को बधाई दी और उनके आगामी भविष्य के उज्जवल होने की कामना की। इस मौके पर अध्यापक सुनीता सैनी, विक्रम मेहता, विजय सैनी, राकेश व राहुल इत्यादि ने भी बेहतर परिणाम के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी।

नेशनल स्कूल में गरिमा ने किया स्कूल टॉप

यमुनानगर। दिल्ली रोड स्थित नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैंप का हरियाणा बोर्ड ऑफ एजुकेशन द्वारा घोषिद दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। छात्रा गरिमा ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्कूल प्रबंधक निर्मला पुंडीर ने बच्चों को मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकॉमनाएं दी। स्कूल प्रबंधक निर्मला पुंडीर ने बताया कि 10वीं के परीक्षा परिणाम में गारिमा ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दीपिका ने 94 प्रतिशत अंक हासिल कर दूसरा और सुखप्रीत सिंह ने 93 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं, मेघा ने 90.2 प्रतिशत अंक हासिल चौथा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रबंधक निर्मला पुंडीर और प्राचार्य राजीव कुमार ने टॉपर्स सहित सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। विद्यालय की प्रबंधक निर्मला पुंडीर ने कहा कि शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम हमारे विद्यार्थियों की उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की तरह इस बार भी विद्यालय का दसवीं कक्षा का अन्य कक्षाओं की तरह शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है। प्राचार्य राजीव कुमार ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय ने इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन किया है। यह परिणाम विद्यालय के उच्च शैक्षणिक मानकों और छात्रों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी टॉपर्स और सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

■ शत-प्रतिशत रहा स्कूल का परिणाम

10वीं के परीक्षा परिणाम में आदर्श स्कूल के मेरिट में 20 बच्चे

रादौर। आदर्श विद्या मंदिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल बहादुरपुर का हरियाणा बोर्ड भिवानी का 10वीं का परीक्षा परिणाम शानदार रहा है। स्कूल के बीस बच्चों ने मेरिट में स्थान हासिल किया। प्रबंधक सविता कांबोज ने बताया कि स्कूल के 24 बच्चों ने दसवीं कक्षा की परीक्षा दी थी। जिसमें 20 बच्चों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। छात्रा वंशिका ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में पहला, दिव्यांश कंबोज ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा व हितेश कांबोज ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, चौथे स्थान पर शगुन ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वंशिका व हर्ष ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। हर्षिता कंबोज ने 87.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सिद्धि गोयल ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सभी ने मिठाई बांट करके एक दूसरे बधाई दी। प्रबंधक सविता कांबोज ने सभी विद्यार्थियों, अध्यापकों व उनके अभिभावकों को बधाई दी। इस मौके पर दीपक कुमार, मनीष कुमार व संगीता कंबोज ने मिठाई खिलाई।

न्यू राइजिंग स्टार का परिणाम शानदार

न्यू राइजिंग स्टार हाई स्कूल मंडौली का 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल के चेयरमैन रमनदीप सिंह व प्रिंसिपल हरमनदीप कौर ने बताया कि स्कूल की छात्रा दिव्या शर्मा ढुसानी ने 90 प्रतिशत, मानसी कलानौर ने 88.2 प्रतिशत, नितिन सैनी ईशरपुर ने 88 प्रतिशत अंक, राव केसर मंडोली ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल व अपने माता पिता का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि स्कूल के 21 विद्यार्थियों ने 10वीं की परीक्षा दी थी। जिसमें से 14 बच्चों ने मेरिट में स्थान बनाया है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

यमुनानगर। नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहने पर खुशी जताते हुए बच्चे।

देसी पिस्तौल व जिंदा कारतूस के साथ एक युवक काबू

यमुनानगर। सीआईए टू ने गांधीनगर रेलवे लाइन के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देसी पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रभारी राजकुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली कि शिव कॉलोनी गांधीनगर रेलवे लाइन के पास एक युवक अवैध हथियार के साथ किसी वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर एएसआई अरुण, मुख्य सिपाही सुनील, अमित, संजय व कुलदीप की टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर वहां घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया। जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में जिसकी पहचान सहारनपुर देवबंद के गांव भायला कला निवासी बॉबी कर्णवाल उर्फ सक्षम उर्फ बादशाह पुत्र रविंद्र कुमार के नाम से हुई। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपी पहले भी शस्त्र अधिनियम के तहत दो मुकदमे दर्ज हैं जिनमें वह वांछित था।

भव्य तरीके से मनेगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस महोत्सव : डॉ. भाटिया

यमुनानगर। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कार्यालय में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस महोत्सव 2025 के उपलक्ष में विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रतिभा भाटिया ने बताया कि बैठक में सभी संस्थाओं ने निर्णय लिया कि वह आयुष विभाग के साथ मिलकर योग दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्य करेंगी। वह मुख्य योग महोत्सव के दिन योग कार्यक्रम में कम से कम 50 से 100 लोगों की भागीदारी व योग मैराथन में संस्थाओं के लोगों के साथ भाग लेना सुनिश्चित करेंगी। 21 जून से पूर्व सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा आयुष विभाग के आयुष योग सहायकों का सहयोग मांगा।

प्रतिबंधित 816 कैप्सूलों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, केस दर्ज

यमुनानगर। एचएसएनसीबी की टीम ने गांव पांसरा के पास से दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित दवाई के 816 कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी। एचएसएनसीबी यूनिट की टीम में तैनात एसआई राजेश कुमार ने बताया कि देर शाम टीम गश्त पर थी। गांव पांसरा के पास एक युवक प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बेचने की सूचना मिली। टीम ने गांव पांसरा के पास नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। कुछ देर बाद पुलिस टीम को एक बाइक आती दिखाई दी। पुलिस ने जब उसे रोककर चेक किया तो उसके पास से प्रतिबंधित दवाई के 816 कैप्सूल बरामद किए।

विद्यार्थियों ने कलाकृतियां बनाकर दिखाई प्रतिभा

रादौर। लाइक पब्लिक स्कूल रादौर में शनिवार को आर्ट एंड क्राफ्ट क्रिया क्लाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से लेकर उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य कंवर सिंह शास्त्री ने दीप प्रज्जवलित करके किया।

स्कूल के प्रधानाचार्य कंवर सिंह शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति, हस्तकौशल व सौंदर्य बोध को विकसित करना रहा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों ने रंगों, कागज, कटर, गोंद व अन्य सामग्री की सहायता से सुंदर कलाकृतियां तैयार की। कुछ विद्यार्थियों ने रीसायकल की गई वस्तुओं से शानदार सजावटी सामान भी बनाए। जिससे उनकी नवाचारशील सोच व पर्यावरण के प्रति जागरूकता प्रदर्शित हुई। प्रधानाचार्य कंवर सिंह शास्त्री ने बच्चों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल विद्यार्थियों की रचनात्मकता को उभारती हैं।

बदलती दिनचर्या से बढ़ रहा रक्तचाप: डॉ. सैनी

रादौर। रामा नर्सिंग होम में शनिवार को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम हुआ। डॉ. एससी सैनी ने बताया कि इसे वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे भी कहा जाता है। उच्च रक्तचाप से पूरी दुनिया में अधिकांश लोग पीड़ित हैं। इसके लिए लोगों में जागरूकता की कमी है। जिसे हल्के में लेते हैं, लेकिन कई बड़ी बीमारियों को जन्म देता है। बदलती दिनचर्या से आए दिन लोगों का रक्तचाप बढ़ रहा है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि इस पर नियंत्रण पाया जाए। एक सामान्य व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120-80 होता है। यदि ये 140-90 या उससे ऊपर ज्यादा है तो रक्तचाप कहते हैं।

फैक्टर थिंकर टीम ने जीती क्विज प्रतियोगिता

रादौर। मुकंद लाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को एक इंटर हाउस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य ग्रोवर ने किया। प्राचार्य ने बताया कि क्विज प्रतियोगिता में चार राउंड शामिल किए गए। जिसमें क्विक फायर राउंड, विजुअल राउंड, वन लाइनर राउंड व बजर राउंड आदि शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस दौरान सबसे तेज उत्तर देने वाली फैक्टर थिंकर टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता जीत ली। वहीं, ग्रामर ग्लैडटर टीम ने द्वितीय व थिंकर टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पूर्व छात्र शशांक मिस्टर व मुस्कान मिस एल्युमिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मिस्टर व मिस एल्युमिनी का चुनाव भी किया गया।

संस्थान के एलुमनाई प्रभारी राजीव बंसल ने बताया कि कार्यक्रम में भांगड़ा, म्यूजिकल चेयर, ग्रुप डांस आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मौके पर पूर्व विद्यार्थियों को टाइटल देकर नवाजा गया। जिसमें मिस एल्युमिनी मुस्कान व मिस्टर एल्युमिनी शशांक जेटली को चुना गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में संस्थान की प्रगति में दीए गए योगदान पर चर्चा की गई। मौके पर पूर्व छात्र अमित ने बताया कि आजकल वे टीसीएस नोएडा में कार्यरत हैं। वहीं, पूर्व छात्र अनुराग ने वर्ष 2008 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग की थी। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों के साथ अपने विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि वह इस समय अपनी सॉफ्टवेयर कंपनी चला रहे हैं। वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. दीक्षा ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन संबोधन में एट्रिफिशियल इंटेलिजेंस व डिजिटाइजेशन के युग में प्रतिस्पर्धी बने रहने की बात कही। निदेशक डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने पूर्व विद्यार्थियों अपने जेएमआईटी के वर्तमान छात्रों के साथ मिलकर नए प्रोजेक्ट बनाएं और उन्हें स्वावलंबी बनने में उनकी मदद की अपील की। पूर्व छात्र गुरमीत पॉल ने बताया कि वर्ष 2006 में वह विद्युत इंजीनियरिंग से पास आउट हुए थे। जो इस समय अपनी मेवन कंस्ट्रक्शन कंपनी के निदेशक हैं। उन्होंने भी विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। विशाल बटला ने बताया कि वह 2015 में एमबीए पासआउट हुए थे। उन्होंने इंश्योरेंस से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार सांझा किए। इसी तरह पूर्व छात्र वेणुगोपाल सिंघल,कंवलदीप पुरी व पूर्व छात्र गुरमीत पॉल ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया मल्होत्रा, शबनम भसीन व निशांत ने किया। संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव गर्ग ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

■ जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन।

गुरुतेग बहादुर मेडिकल कॉलेज में मिलेंगी सभी सुविधाएं

निर्माणाधीन कॉलेज का किया निरीक्षण

■ निर्माण कार्य 31 मार्च 2026 तक किया जाए पूरा : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा सरकार द्वारा गांव पांजूपुर में बनाए जा रहे श्री गुरुतेग बहादुर साहिब राजकीय मेडिकल कॉलेज का एडीसी कॉलेज के ओएसडी नवीन आहूजा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए।

कॉलेज के ओएसडी नवीन आहूजा ने कॉलेज के निर्माण कार्य से संबंधिक अधिखारियों को कार्य में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि सभी विभागों से तालमेल बैठाने के लिए शीघ्र ही बैठक की जाएगी। 31 मार्च 2026 तक कार्य पूरा हो, ताकि मेडिकल कॉलेज में अगले सत्र की कक्षाएं यहीं पर शुरू की जा सकें।

उन्होंने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100 सीटें होंगी तथा 500 बेड का अस्पताल बनाया जाएगा। मेडिकल कॉलेज में ही मेडिकल वेस्ट तथा दूसरे प्रकार के वेस्ट के लिए एसटीपी का प्रावधान किया गया है। यहां पर अस्पताल भवन, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग, पेरामेडिकल, फिजियोथेरेपी कॉलेज, ऑपरेशन थियेटर, डॉक्टरों के लिए रिहायसी भवन, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, लाइब्रेरी, लेक्चर हॉल, लड़के तथा लड़कियों के लिए अलग अलग हॉस्टल, मल्टीपर्पस एग्जामिनेशन हॉल, रैन बसेरा, सब स्टेशन सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री रोग, ऑरथो मौजूद रहे।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का 10वीं कक्षा का परिणाम घोषित

- 92.46 प्रतिशत रहा जिले का परीक्षा परिणाम

8,646 विद्यार्थियों में से 7,994 ने परीक्षा की उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार को 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें जिला का परीक्षा परिणाम 92.46 प्रतिशत रहा। जिला शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा ने बताया कि जिला के 8646 विद्यार्थियों ने 10वीं कक्षा की परीक्षा दी थी जिसमें से 7994 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। 484 विद्यार्थियों की ईआईओपी

श्रेणी रही व 168 विद्यार्थियों का परिणाम एसेंशियल रिपीट रहा। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित किया गया जिसमे झांसा रोड़ श्याम कालोनी स्थित महंत प्रभातपुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम एक बार फिर शानदार रहा।

आभा ने 439 अंक प्राप्त कर विद्यालय में किया टॉप

महंत प्रभातपुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य भजन राठोर ने बताया कि इस बार कुल 24 छात्राओं ने इस परीक्षा में भाग लिया था जिसमें 10 बच्चों ने मैरिट में जगह बनाई। 10 अन्य छात्राओं ने प्रथम श्रेणी हासिल की। राठोर ने बताया कि स्वर्ण आभा ने 439 अंक प्राप्त कर प्रथम, राधिका 434 अंको से द्वितीय तथा मधु 425 अंक लेकर तृतीय स्थान पर रही। हरप्रीत ने 420 अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान पाया। इसके अतिरिक्त हरप्रीत व मधु के संगीत विषय में 96-96,मधु व जश्नप्रीत के हिंदी व सामाजिक अध्ययन में 95-95 अंक तथा राधिका व स्वर्ण आभा प्रत्येक के हिंदी व पंजाबी में 95-95 अंक प्राप्त किए। इन होनहार बच्चों ने अपना, अभिभावकों व विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय अध्यक्ष महंत वंशी पुरी महाराज व कोषाध्यक्ष महंत लक्ष्मी नारायण पुरी महाराज ने सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने पर प्राचार्य व स्टाफ को बधाई व शुभकामनाएं दी। प्रबंधक सुनील सचदेवा ने भी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि यह उपलब्धि स्टाफ व बच्चों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर उप प्रबंधक रमेश सचदेवा, उप प्राचार्य मंजुला शर्मा, डा संतोष शर्मा, रेखा धीमान, सरिता शर्मा, ज्या वत्स, हैड टीचर सुशीला देवी, अनू पाहवा, अनिता वालिया, सुमन धीमान, तमन्ना धर्मौजा, मनप्रीत वर्मा, ज्योति रानी, कुसुम शर्मा, मोनिका माटा, अनूप शर्मा, आलिषा अरोडा, बिंदु , पिंकी रानी,सीमा शर्मा, मधु शर्मा व महेंद्र सैनी आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गीता कन्या विद्यालय में महक ने किया टॉप

कुरुक्षेत्र। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड दशम कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसमें गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। छात्रा महक ने 94 .2 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, अमृतप्रीत ने 90.8 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, महक राठौर ने 89.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रचार प्रमुख पिंकी जैन ने बताया कि विद्यालय की कुल 25 छात्राओं ने मेरिट में अपना स्थान बनाया और विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कलेर, उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र कुमार, प्रबंधक बलबीर प्रकाश, कोषाध्यक्ष सुरेश सैनी, शिक्षाविद् डॉ हरि प्रकाश शर्मा, सदस्य डॉ सौरभ त्रिखा एवं सदस्य डॉ राजेश अग्रवाल, महिला प्रतिनिधि अंजलि शर्मा, प्रांत प्रतिनिधि संजय चौधरी, प्राचार्या सुमन बाला व सभी अध्यापिकाओं ने छात्राओं तथा उनके अभिभावकों को सफलता के लिए बधाई दी।इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाएं ज्योति, सोनिया, सुमन, वर्षाली, रश्मि, अंजना, सुधा, महक, शीला, ममता चावला, शिल्पा उपस्थित रहीं।

कुरुक्षेत्र। छात्रा का मुंह मीठा करवाते विद्यालय प्रबंधक बलबीर प्रकाश।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को एंटी टीजिंग के बारे में बताया

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न स्कूलों में एंटी टीजिंग एंड बुलीइंग के बारे में जागरुक करने के लिए हैल्प डेस्क लगाए गए है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि डीएलएसए पीएलवी द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अमीन में इस हैल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थियों को एंटी टीजिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कष्ट निवारण समिति की बैठक 19 मई को

कुरुक्षेत्र। जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक 19 मई को सुबह 11 बजे नए लघु सचिवालय के सभागार में होगी। इस बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर करेंगे। उपायुक्त नेहा सिंह ने आज यहां जारी आदेशों में कहा है कि सभी अधिकारी जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में निर्धारित समय पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित

थानेसर। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति की वार्षिक योजना के अनुसार सुलेख-श्रुतलेख पखवाड़ा जोकि 1 मई से 15 मई तक गीता निकेतन विद्या मंदिर मोहन नगर कुरूक्षेत्र में चलाया गया। इसके अंतर्गत विद्यालय में हिंदी व अंग्रेजी की सुलेख प्रतियोगिताएं करवाई गई जिसमें सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र भैया-बहनों को वंदना सभा में प्रधानाचार्य यशपाल वधवा ने शुभकामनाएं दी और भविष्य में भी इसी प्रकार आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया तथा उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

लाडवा में आयोजित तिरंगा यात्रा के उपरांत मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से की बातचीत

हरियाणा को पानी न देकर पंजाब के सीएम ने मानवता को भुलाया : सैनी

मानवता के आधार पर एक-एक घर में पीने का पानी पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी : सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा को पानी ना देकर पंजाब के मुख्यमंत्री ने राजनीति को आगे रखकर मानवता को भुलाया हैं। इस देश में बरसात का पानी प्राकृतिक स्त्रोत है और हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम मानवता के आधार पर एक-एक घर में पीने का पानी पहुंचाएं। अहम पहलू यह है कि पंजाब गुरुओं की धरती रही है। इसी प्रांत पंजाब से हरियाणा बना है। वो हमारे भी गुरु हैं, लेकिन पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुओं की परम्परा पर भी सवाल उठा रहे हैं।

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को लाडवा विधानसभा के गांव बुहावी में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा यात्रा के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमारे घर पर कोई भी आता है तो हम उसको पानी पिलाते हैं। गुरुओं ने पानी पिलाने का पुण्य का कार्य बताया है। इस बरसात के मौसम में पीने की पानी की भी ज्यादा आवश्यकता होती है। पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान को गुरुओं के संदेश पर चलना चाहिए। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब सरकार ने पंजाब प्रांत के लोगों का शोषण किया है। राजनीति की ऐसी व्यवस्था से पंजाब का युवा वर्ग, किसान वर्ग, महिलाएं और औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले नागरिकों को सुविधाएं नहीं मिल रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भी भाजपा की सरकार बनेगी। किसान और सरपंच भी उनके पास आकर पंजाब सरकार से होने वाली परेशानियों की जानकारी देते हैं। सीएम ने एक सवाल के जवाब कहा कि पुलिस प्रशासन हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है। प्रदेश में जो भी आंतकी गतिविधि से जुड़ा हुआ पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया खुरैशी और व्योमिका सिंह पर किसी भी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ये बेटियां हमारे देश का गौरव और गर्व हैं। हमें ऐसी सभी जवानों का सम्मान करना चाहिए, जो सीमा पर हमारी रक्षा के लिए हर समय तैनात हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा जिलाध्यक्ष सरदार तिजेन्द्र सिंह गोल्डी,भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभाष कलसाना, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त नेहा सिंह, एसपी नीतीश अग्रवाल, पूर्व मंत्री द्ववेन्द्र शर्मा, प्रदेश सचिव राहुल राणा, मंडल अध्यक्ष बाबैन विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, बुहावी सरपंच रीटा रानी, समाजसेवी राजेश कुमार, रविन्द्र सांगवान, डा. गणेश दत्त, दीप सैनी, विनोद शर्मा, रिंकू कश्यप, ऋषिपाल, नायब सिंह पटाख माजरा सहित अन्य गणमान्य लोग व भाजपा नेत्री मौजूद थी।

यात्रा से भारतीय सेना की शौर्य गाथा घर-घर तक पहुंच रही : कलसाना

राष्ट्र के आत्म सम्मान का उत्सव है तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश के वीर जवानों की गरिमा, शौर्य, पराक्रम और आत्मसम्मान को सलाम करने के लिए शाहाबाद मा. के गांव नलवी में भाजपा की ओर से मास्टर सुभाष कलसाना के नेतृत्व में शनिवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बच्चें, बुजुर्गों, महिलाओं और नौजवानों का जोश देखने को मिला. ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा यात्रा में सैंकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान गांव में जगह-जगह पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए भाजपा नेता मास्टर सुभाष कलसाना के नेतृत्व तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होने कहा कि यात्रा से भारतीय सेना की शौर्य गाथा घर-घर तक पहुंच रही है।नागरिक के हाथ में भारत की आन-बान-शान तिरंगे को देखा जा सकता था। मास्टर सुभाष कलसाना ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सभी को बधाई दी और इसे राष्ट्र की गरिमा, शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक बताया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नलवी मंडल अध्यक्ष सर्वजीत सिंह, तंगौर मंडल अध्यक्ष यादविंदर राणा, शाहाबाद मा., प्रदेश पैनलिस्ट रविंद्र सांगवान, अमरजीत डांगी, दीपक आनंद,मंडल महामंत्री बेअंत सिंह नलवी, अश्वनी कुमार, नसीब सिंह, मनदीप रावा, मंडल सचिव सरिता सैनी, सरपंच संभालखी प्रतिनिधि सतीश कुमार,मंडल सोशल मीडिया प्रभारी विनोद कुमार, तिलक राज नलवी, बबली मन्धेड़ी,अशोक खुराना, अनिल गर्ग,गोपाल राणा, रोहित सैनी, श्याम रावत आदि मौजूद रहे।

एमटी ने उपस्थितजनों में भरा जोश

निपुण हरियाणा के तहत मेंटर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में निपुण हरियाणा के तहत मेन्टर्स के 8 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन चल रहा है। प्रशिक्षण शिक्षा विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। कुरुक्षेत्र के राजकीय विद्यालय में चल रहे राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में चार समूह बनाए गए हैं। प्रत्येक समूह में लगभग 160 केआरपी ट्रेनिंग ले रहे हैं जिनमें चरखी दादरी, भिवानी, कैथल, पफतेहाबाद और रोहतक जिले के एबीआरसी में बीआरपी मेंटर प्रतिभागी हैं। प्रशिक्षण में मेंटर के रूप में डॉक्टर बलराज, डॉक्टर नरेंद्र बालियान, विकास

वर्मा, प्रवीण कुमार, सत्यवान, अमनदीप, सतीश जांगरा कमल डॉक्टर सतीश रंगा, वीरेंद्र कुमार, गुलदीप सिंह ने अपने एवं भूमिका अदा की हुई है। निपुण हरियाणा मेंटर प्रशिक्षण के चौथे दिन में एमटी ने मेन्टर्स में जोश भरा। मेंटर को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

सरस्वती नदी पर जल्द तैयार होगा वोटिंग प्रोजैक्ट : धुमन सिंह

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि पवित्र सरस्वती नदी पर वोटिंग प्रोजैक्ट को तैयार किया जाएगा। इस प्रोजैक्ट के बनने के बाद पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही सरस्वती नगर में सरस्वती नदी पर एक भव्य घाट का भी निर्माण किया जाएगा। इस घाट का निर्माण कार्य एक या दो माह में पूरा कर लिया जाएगा। बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच शनिवार को सरस्वती नगर में ग्राम पंचायत व हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

धन्यवादी दौरे के दौरान जनसभा को किया संबोधित

कमजोर नेतृत्व के कारण पंजाब से नहीं मिल रहा पानी : अरोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पूर्व मंत्री एवं हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर रहे विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के कमजोर नेतृत्व के कारण हरियाणा को उसके हक का पानी नहीं मिल रहा है। एसवाईएल के पानी पर हरियाणा के हक में सुप्रीम कोर्ट से फैसला हो चुका है। 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पानी के मामले को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, जिसमें निर्णय हुआ था कि मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से सर्व दलीय शिष्टमंडल के मिलने का समय लेंगे लेकिन नौ साल बीत गए आज तक हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री से

मिलने का समय नहीं ले सकी। इसी प्रकार भाखड़ा के पानी पर पंजाब ने जिस प्रकार से कटौती की है इस मामले को लेकर भी मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सर्वदलीय बैठक बुलाई और प्रधानमंत्री से मिलने का निर्णय लिया गया, लेकिन आज तक प्रधानमंत्री से मिलने का कोई समय निश्चित नहीं हुआ।

आज कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में प्रवेश निःशुल्क

- कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरूक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर डॉ सुखदेव सिंह सैनी ने तेजी से बदलते समाज में संग्रहालयों की भूमिका विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। जीतेंद्र कुमार दास ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर सभी प्रकार के

कुरुक्षेत्र। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

दर्शकों की रुचि का सम्मान करते हुए कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र में 18 मई 2025 को प्रवेश निशुल्क रहेगा। जीतेंद्र कुमार दास ने बताया कि केंद्र में आज चित्रकला प्रतियोगिता, ओपन हाउस प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

श्रीकृष्ण संग्रहालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस-2025 के अवसर पर श्रीकृष्ण संग्रहालय, कुरुक्षेत्र में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रीकृष्ण संग्रहालय, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, थानेसर की सिमरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्रिंस वर्मा द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि अग्रसेन पब्लिक स्कूल, कुरुक्षेत्र के

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

मयंक रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. आर.एस. पठानिया पूर्व आचार्य, ललित कला विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, बलवान सिंह प्रभारी, श्रीकृष्ण संग्रहालय तथा विनीत भनवाला पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

संजय गांधी मेमोरियल स्कूल में मदर्स डे का आयोजन

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा में मदर्स डे का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, गर्मजोशी और उत्साह के साथ किया गया। यह कार्यक्रम माताओं के प्रेम, त्याग और शक्ति को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि सरदारनी सविंदर कौर, विशिष्ट

अतिथि सरदारनी मंदीप गिल, विद्यालय के अध्यक्ष श्री पवन गर्ग, श्रीमती सुशील दुआ तथा प्राचार्य श्री नरेंद्र शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित के साथ हुई। स्कूल के पधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने कहा कि माताओं की भूमिका को समाज और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इसके पश्चात विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें माताओं के प्रति प्रेम, आदर और भावनाएं स्पष्ट रूप से झलकती है। विद्यालय के अध्यक्ष पवन गर्ग ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि मां बच्चे की सफलता की नींव होती है और हर परिवार की आत्मा। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम बच्चों में संस्कृति, संवेदनशीलता और सम्मान की भावना विकसित करते हैं। मातृत्व की भावना ही समाज को जोड़ती है।

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र में महर्षि मारकंडेश्वर कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च मुलाना के सौजन्य से दांतों की जांच एवं जागरूकता के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। डेंटल कॉलेज मुलाना के प्रिंसिपल डॉक्टर जीएम सोगी के निर्देशन में विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सचदेवा की टीम ने बच्चों के दांतों की गहन जांच की। टीम में डॉक्टर किरणमई, डॉक्टर काजल खटक, डॉक्टर श्वेता सिंह, डॉक्टर हर्ष त्रिपाठी, डॉ प्रियंका कदम, डॉक्टर विनायक, डॉक्टर सबेस्टन और डॉक्टर श्रुति पांडे कुल 9 दंत चिकित्सकों की टीम द्वारा विद्यालय छात्रावास के कक्षा छटी से बारहवीं तक के सभी 575 छात्रों के दांतों की संपूर्ण जांच की गई तथा दांतों की बीमारियों के कारण एवं निदान के बारे में छात्रों को जागरूक किया गया। विद्यालय के प्राचार्य नारायण सिंह ने डेंटल कॉलेज मुलाना का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने दो दिवसीय 23वीं जिला स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप का किया शुभारंभ

खेलों के क्षेत्र में कुरुक्षेत्र के खिलाड़ियों ने पूरे विश्व में किया प्रदेश का नाम रोशन : सुधा

470 खिलाड़ियों ने भाग लिया, यह प्रतियोगिता 18 मई तक चलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में कुरुक्षेत्र के खिलाड़ियों ने पूरे विश्व में प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस जिले के हॉकी, वालीबाल, साईकिलिंग सहित अन्य खेलों में बेहतरीन खिलाड़ी है और इन खिलाड़ियों को योग्य प्रशिक्षकों के जरिए तराशने का काम किया जा रहा है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा

शनिवार को कराटे स्पोर्टस एसोसिऐशन की तरफ से आयोजित 23वीं कुरुक्षेत्र जिला स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, नगरपरिषद थानेसर की अध्यक्षा माफी ढांडा, समाजसेवी मलकित ढांडा, समाजसेवी पंकज अरोड़ा व एसोशिऐशन के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने दीप शिखा प्रज्वलित करके दो दिवसीय कराटे चैम्पियनशिप का शुभारंभ किया। पूर्व राज्यमंत्री ने खिलाड़ियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों को पूरा मान सम्मान देने काम किया है। इस प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, खेल नीति के तहत सरकारी नौकरियां, इनाम राशि तथा तमाम अन्य सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। जिसके चलते ही खिलाड़ी उत्साहित होकर कड़े परिश्रम और मेहनत कर रहे है। एसोशिऐशन के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि एसोशिऐशन की तरफ से आयोजित 23वीं जिला स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में कुल 470 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। यह प्रतियोगिता 18 मई तक चलेगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार, एसोसिऐशन के अध्यक्ष सुशील शर्मा, संयुक्त सचिव सुनील कुमार, तकनीकी निदेशक रिंकू कश्यप, नरेन्द्र, विकास, नीलोखेडी के प्रिंसीपल डा.राजेन्द्र कुमार आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

गांव उगाला में सूने पड़े घर में चोरी, मामला दर्ज

बराड़ा। गांव उगाला में बीती रात को पेट्रोल पंप के पास बने एक घर को चोरों ने निशाना बनाया। घर में रखे सामान पर हाथ साफ किया। पीड़ित सुरेंद्र पाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका घर पंप के पास है। रात को किसी ने उनके घर से बड़ा गेट, विंडो, ग्रिल सारी, वोडरी ग्रील 8 पीस सारी बिजली तारें , एक इनवर्टर, 4 पंखे एक मोटर स्टार्टर व कूलर सामान चुरा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अग्रवाल धर्मशाला में रक्तदान शिविर आज

बराड़ा। प्रयास समाज सेवा संस्थान की ओर से अग्रवाल धर्मशाला में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के प्रधान विशाल सिंगला ने बताया कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर जारी तनाव के मद्देनज़र किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए इस कैंप का आयोजन करवाया जा रहा है। इस कैंप में डीएसपी सुरेश कुमार मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आगे बताया कि इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य सेना और नागरिक अस्पतालों में रक्त की संभावित आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पहले से रक्त की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर हमारे जवान देश की रक्षा में जुटे हैं।

23 को 12 बजे आयोजित होगा खुला दरबार

अंबाला। महाप्रबंधक दूरसंचार के सहायक महाप्रबंधक (प्रचालन) ने बताया कि अंबाला दूरसंचार जिले के अन्तर्गत आने वाले सभी दूरभाष केंद्रों के उपभोक्ताओं की टेलीफोन सेवाओं से संबंधित शिकायतों/विवादों की सुनवाई तथा शिकायतों को यथासंभव तुरन्त निपटाने के उद्देश्य से उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टेलीफोन अदालत तथा खुला दरबार का आयोजन 23 मई 2025 दिन शुक्रवार को 12:00 बजे कार्यालय महाप्रबंधक दूरसंचार में किया जाएगा। इस अदालत मे उपभोक्ताओं की समस्याओं एवं शिकायतों का निपटारा महाप्रबंधक दूरसंचार द्वारा किया जाएगा।

किसानों को अनुदान पर मिलेगा ढैंचे का बीज

अंबाला। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. जसविन्द्र सिंह सैनी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जिला में फसल विविधिकरण कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भूमि की उर्वकता बनाए रखने व हरी खाद को बढ़ावा देने के लिए उंचा के प्रर्दशन प्लाटों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए 2160 क्विंटल ढैंचे का बीज 80 प्रतिशत अनुदान पर दिया जा रहा है। एक एकड़ हेतू 12 किलोग्राम बीज व एक किसान अधिकतम 10 एकड़ तक लाभ प्राप्त कर सकता है। इच्छुक किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

दो आरोपी गिरफ्तार बाइक की बरामद

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी शाहरूख खान व आकाश नि को गिरफ्तार किया है। यमुनानगर जिले के आमवाला के सतीश कुमार ने 15 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 5 मार्च 2024 को कुराली से किसी आरोपी ने उसकी बाइक चोरी की है।

सीएससी का स्टेट हैड ने किय मुआयना

अंबाला। कॉमन सर्विस सेटरों में किए जा रहे कार्यों की वास्तविकता जांचने के दृष्टिगत सीएससी के स्टेट हैड आशीष शर्मा ने कई सेंटरों का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने सेंटरों पर रेट लिस्ट जांचने के साथ दूसरी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ स्टेट मैनेजर नरेंद्र सिंह, रवि कुमार व जिला के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विवेक शर्मा मौजूद रहे।

कला संकाय में दिव्या टॉपर संभव सिंह दूसरे स्थान पर

कक्षा 12 में 500 में से 439 अंक प्राप्त किए, संभव सिंह को 421 अंक मिले

- कक्षा दसवी में तमन्ना ने 500 में से 420 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया तो मनदीप सिंह ने 404 अंक लेकर द्वितीय स्थान हासिल किया व 383 अंको के साथ वंश तृतीय रहा

अंबाला। परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी स्टाफ के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का कक्षा 10 वीं और 12 वीं का परीक्षा परिणाम शानदार रहा।

कक्षा 12 वीं में आट्स संकाय में दिव्या रानी ने टॉप किया और 500 में से 439 अंक प्राप्त किए, संभव सिंह 421 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे तो सलोनी 370 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं कॉमर्स संकाय में कार्तिक ने 346 अंक प्राप्त कर पहला स्थान पाया तो हिमानी 321 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही, वहीं दीपक 307 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सांइस संकाय की बात करें तो साइंस में आर्यन भयान 421 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहा तो आदि जैन ने 407 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान पाया व नैना 404 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार कक्षा दसवी की छात्रा तमन्ना ने 500 में से 420 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया तो मनदीप सिंह ने 404 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया व 383 अंक प्राप्त कर वंश तीसरे स्थान पर रहा।

प्राचार्या ने दी बधाई

प्रिंसीपल मंजू बाला ने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों व स्कूल स्टाफ को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी।

ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट की वैधता बढ़ने से टैक्सी ऑपरेटरों के चेहरे खिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- टैक्सी ऑपरेटरों ने परिवहन मंत्री अनिल विज के आवास पर जताया आभार

परिवहन मंत्री अनिल विज के आवास पर शनिवार को पहुंचे हरियाणा टैक्सी ऑपरेटरों ने उनका धन्यवाद जताया। ऑपरेटरों ने खुशी जताते हुए कहा कि परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से हरियाणा में वाहनों के 'ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट' की वैधता अवधि नौ साल से बढ़ाकर 12 साल तक कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के हजारों टैक्सी चालकों को लाभ मिला है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही टैक्सी ऑपरेटरों ने अपनी मांग परिवहन मंत्री के समक्ष रखी थी। मंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑपरेटरों को राहत दी।

मंत्री ने सुनी समस्याएं

इस दोरान विज ने छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को सुनकर कार्रवाई के आदेश भी दिए। घसीटपुर की विवाहिता के परिजनों ने शिकायत दी कि उसका पति विवाहिता से झगड़ा करता है। उसे घर से निकाल दिया है। मंत्री ने इस पर पुलिस को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए। दलीपगढ़ के व्यक्ति ने क्षेत्र में गली का लेवल सही कराने की शिकायत दी जिस पर नगर परिषद ईओ को कार्रवाई के निर्देश दिए। बब्याल के लोगों ने क्षेत्र में नालियों की मरम्मत कराने की शिकायत दी। इसी प्रकार बोह में नाली और गली की मरम्मत कराने, कच्चा बाजार की महिला ने मीटर रीडिंग ठीक कराने एवं अन्य शिकायतें आई जिन पर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री का कारोबारियों ने जताया आभार

अंबाला। अंबाला छावनी में एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया एसोसिएशन के सदस्यों ने शनिवार को परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंच इंडस्ट्रियल एरिया में चार दीवारी को मंजूरी दिलाने पर उनका हार्दिक धन्यवाद एवं आभार जताया। एसोसिएशन के सदस्यों ने इस दौरान कहा कि मंत्री अनिल विज के प्रयासों से इंडस्ट्रियल एरिया को अब बाढ़ के पानी से सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्री को बचाने के लिए मंत्री अनिल विज ने अथक प्रयास किए जोकि अब रंग ला रहे हैं।

- इंडस्ट्रियल एरिया में चार दीवारी की मंजूरी दिलाने पर जताया आभार

बाढ़ के पानी से होगी सुरक्षा: उन्होंने कहा कि दीवार के बनने से उनकी इंडस्ट्री को अब बाढ़ के पानी से सुरक्षा मिलेगी। एसोसिएशन सदस्यों ने यह भी कहा कि छावनी पहले विकास के मामले में अछूता रहा है।

पीर की चौकी भरने निकली थी महिला, जंगल से मिला शव

- दो दिन से लापता थी महिला, परिजन अपने स्तर पर कर रहे थे जांच, पुलिस बोली जल्द हत्यारे होंगे काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पीर की चौकी भरने गई दुखेड़ी की 67 वर्षीय शांति देवी की हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया। परिजन 15 मई से लापता महिला की तलाश कर रहे थे। 16 मई को सूचना मिलने के बाद जंगल में पहुंचे तो शव का चेहरा व उंगली क्षत-विक्षत थी। परिजनों ने कपड़ों व पास मिले सामान व घर की चाबी से शिनाख्त की। साहा पुलिस ने हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शनिवार को मृतका का अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉक्टर की रिपोर्ट के बाद ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मृतका के बेटे संजीव कुमार ने बताया कि वह पांच बहन व भाई हैं। माता शांति देवी 15 मई को दोपहर 2 बजे घर से संभालखा गांव में पीर की चौकी भरने के लिए गई थी। चाचा का लड़का चुडियाली वासी अभिमन्यु बाइक पर छोड़कर आया था। माता वापस नहीं लौटीं थी तो तलाश कर रहे थे। जंगल में मिले शव के पास से माता के कमरे की चाबी, कान से सुनने की मशीन, चश्मा वा दांतों का नकली जबड़ा भी पडा हुआ था। साहा पुलिस थाना प्रभारी कर्मबीर ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

नन्हे छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मचाई धूम

डीएवी स्कूल में रेड डे मनाया, माताओं का तिलककर का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

डीएवी स्कूल में रेड डे का आयोजन बड़े ही उत्साह और भावनात्मक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल में पधारी सभी माताओं का तिलक कर सम्मान करते हुए की गई। नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित सभी माताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि कुछ माताओं ने बच्चों के साथ मिलकर नृत्य प्रस्तुत किया। कुछ ने बच्चों के साथ कैटवॉक किया। कुछ माताओं ने स्नेह भरी लोरियां गाकर सभी का दिल जीत लिया। इसी के साथ कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों ने रेड डे मनाया। सभी बच्चे लाल रंग के परिधान पहनकर आए और स्कूल परिसर को लाल रंग के गुब्बारों एवं सजावटी वस्तुओं से सजाया गया। प्राचार्या सुनीता कपूर ने मातृ दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि मां ही बच्चे की प्रथम गुरु, मार्गदर्शक और संरक्षक होती है। उन्होंने रेड डे के संदर्भ में लाल रंग के महत्व को भी रेखांकित किया जो ऊर्जा स्वास्थ्य और आनंद का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम का सफल संचालन नर्सरी विंग की कोऑर्डिनेटर शालू गुप्ता, नीरू शर्मा, वंदना, अर्चना, नीलम, परवीन एवं अनुराधा द्वारा किया गया।

मुलाना थाना प्रभारी ने संभाला कार्यभार

- महिला सुरक्षा, नशे के खिलाफ अभियान और साइबर अपराध पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

मुलाना थाना में नए थाना प्रभारी के रूप में महेंद्र सिंह ने विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने थाना परिसर का निरीक्षण किया और सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की।

मुलाना। नए थाना प्रभारी महेंद्र सिंह

इस दौरान उन्होंने थाना स्टाफ को अनुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों की रोकथाम करना और पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, नशे के खिलाफ अभियान और साइबर अपराध पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने आमजन से पुलिस को सहयोग देने की अपील की और कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की परेशानी या शिकायत होने पर सीधे थाना आकर निःसंकोच मिल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों के लिए क्षेत्र में कोई जगह नहीं होगी।

खेलो इंडिया में कांस्य पदक जीतने वाली हरनूर को किया सम्मानित

अंबाला। खिलाड़ी हरनूर को आशीर्वाद देते मंत्री अनिल विज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अपने आवास पर खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 में बॉक्सिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली अंबाला छावनी के शाहपुर की महिला मुक्केबाज हरनूर कौर को पदक पहनाते हुए उसे सम्मानित किया। विज ने हरनूर कौर से बातचीत की। उसे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

पटना में हुई थी प्रतियोगिता: उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में कई सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा अंबाला छावनी में भी खेलों का ढांचा सुदृढ़ किया गया है जिससे छावनी के खिलाड़ी अब विश्व पटल पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इस अवसर पर हरनूर के माता-पिता भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुक्केबाज हरनूर कौर ने गत दिनों पटना में संपन्न हुई खेलों इंडिया यूथ गेम्स में बाक्सिंग स्पर्धा में 65 किलोवर्ग में कांस्य पदक जीता था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

स्पेशल कोर्ट में रोज हो रही है नशा तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई, 900 केसों पर होगी सुनवाई

अंबाला। नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों की सुनवाई अब स्पेशल कोर्ट में होगी। यहां रोज करीब 20 से 25 मामलों की सुनवाई हो रही है। नशे के बढ़ते मामलों को देखते हुए एनडीपीएस की विशेष अदालत के गठन का निर्णय लिया था। 28 अप्रैल से कोर्ट में मामलों की सुनवाई चल रही है। अभी तक यहां 900 मामले सुनवाई के लिए आ चुके हैं। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट बनने से पहले नशा तस्करी से संबंधित मामलों की सुनवाई अलग- अलग थाना क्षेत्र से संबंधित कोर्ट में होती थी। इससे अन्य मामलों के कारण समय भी अधिक लगता था। इसके साथ मामलों की सुनवाई भी देरी से होती थी।

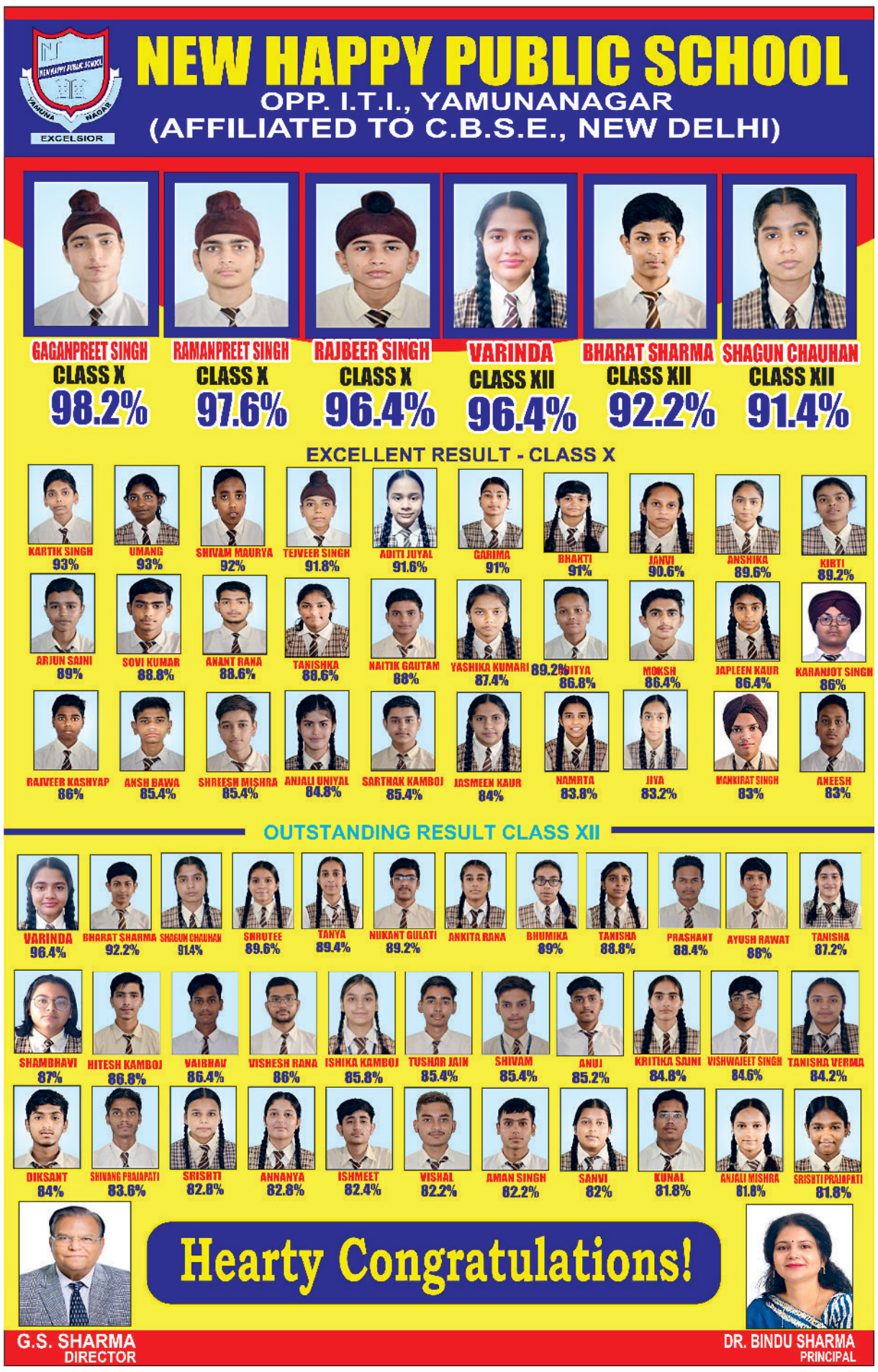

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

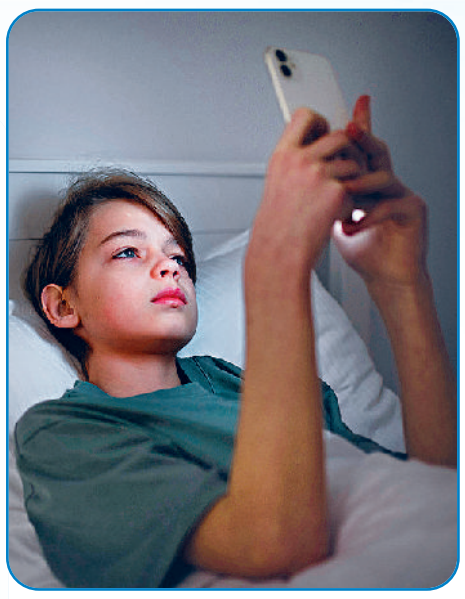

डिजिटल डिवाइसेस की लत
उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

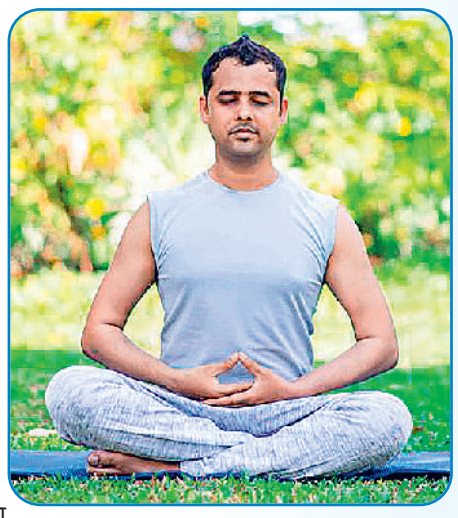

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही
प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपेन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

...जो होना था

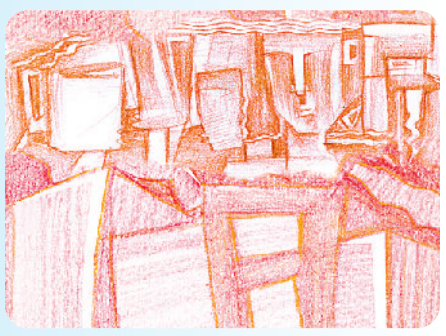

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेविल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर

ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

बॉबी देओल

मुकेश तिवारी

आशुतोष राणा

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।